Shri Govinda Sharanagati Stotram

श्रीगोविन्दशरणागतिस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Govinda Sharanagati Stotram

File name : govindasharaNAgatistotram.itx

Category : vishhnu, krishna

Location : doc_vishhnu

Transliterated by : Chandrasekhar Karumuri

Proofread by : Chandrasekhar Karumuri

Latest update : December 11, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 11, 2022

sanskritdocuments.org

श्रीगोविन्दशरणागतिस्तोत्रम्

गोविन्द गोकुलपते वसुदेवसूनो
गोपाल कृष्ण गरुडध्वज गोपिनाथ ।
श्रीवासुदेव पुरुषोत्तम पद्मनाभ
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ १॥

ब्रह्मण्यदेव जनवल्लभ दीनबन्धो
लक्ष्मीनिवास करुणालय कंसशत्रो ।
वैकुण्ठनाथ धरणीधर धर्मरूप
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ २॥

लक्ष्मीपते कमललोचन कल्मषारे
वाराह वामन जनार्दन नन्दसूनो ।
पीताम्बरच्युत हरे मधुकैटभारे
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ ३॥

श्रीरामचन्द्र रघुनाथ जगच्छरण्य
राजीवलोचन धनुर्धर रावणारे ।
सीतापते रघुपते रघुवीर राम
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ ४॥

नारायणाव्यय विभो भवबन्धनाश
वेदान्तवेद्य यदुनन्दन विश्वरूप ।
श्रीवत्स श्रीधर गदाधर शङ्खपाणे
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ ५॥

गोपीपते यदुपते नवनीतचौर
वृन्दावनेश मुरलीधर पद्मपाणे ।
गोवर्द्धनोद्ध रणधीर मुकुन्द शौरे
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ ६॥

सर्वज्ञ सर्वद शरण्य कृपासमुद्र
कारुण्यरूप कमलाकर कैटभारे ।
दारिद्र्य दुःखविनिवारण विश्वबन्धो
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ ७॥

हे राधिका प्रिय अनन्त मुकुन्दकृष्ण
विश्वेश्वराखिलगुरो कमायताक्ष ।
नारायणादि पुरुषेश पुराण विष्णो
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ ८॥

हे ईड्य यादवपते सरसीरुहाक्ष
चैतन्यरूप परमेश्वर पूर्णकाम ।
अध्यात्मदीपपरमेश पुराण जिष्णो
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ ९॥

पद्मापते मधुरिपो जगदेकसाक्षिन्
भृत्यार्तिनाशन नरेश्वर देव-देव ।
चाणूरमर्दन चतुर्भुज चक्रपाणे
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ १०॥

भो राधिका हृदय जीवन सुन्दराङ्ग
ब्रह्मादिदेव परिपालक दैत्यशत्रो ।
केशि-प्रलम्ब-बक-धेनुक प्राणहारिन्
त्रायस्व केशव हरे शरणागतं माम् ॥ ११॥

श्रीकृष्णशरणस्तोत्रं तदीयगुणसंयुतम् ।
सर्वाशुभहरं दिव्यं पठनाद्भक्तिदन्नृणाम् ॥ १२॥

इति श्रीगोविन्दशरणागतिस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Chandrasekhar Karumuri

Shri Govinda Sharanagati Stotram

pdf was typeset on December 11, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*